सिंगल पैरेंट बनना जल्द मुमकिन डिज़ाइनर बेबी में वक्त लगेगा

गंभीर बीमारी से ग्रस्त पैरेंट्स पूर्णतः स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकते हैं, इसार एनुअल कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने बताई तकनीकें

कॉन्फ्रेंस के बाद फुरसत के पलों में डॉ. दुरु शाह और डॉ. नंदिता पलशेतकर

CONFERENCE

सिटी रिपोर्टर • शहर में चल रही इसार की एनुअल कॉन्फ्रेंस के लिए देश दुनिया के गायनेकोलॉजिस्ट शहर में जुटे हुए हैं। सिटी भास्कर ने इनसे उन मुद्दों पर चर्चा की जो आम आदमी के जीवन पर सकारात्मक असर करते हैं। नाउम्मीदी में आशा की किरण बनकर उभरे हैं। हमने डॉक्टर्स से गंभीर बीमारी से ग्रसित पैरेंट्स का हेल्दी बेबी को जन्म देना, एग फ्रीजिंग और डिजाइनर बेबी जैसे विषयों पर चर्चा की।

ब्रीच कैंडी (मुंबई) की गायनेकोलॉजिस्ट कंसल्टेंट डॉ. दुरु शाह विज्ञान की दिनोदिन प्रगति के चलते अब हम इस स्टेज पर तो हैं ही कि समाज को 'बांझ' जैसे शब्द से मुक्त करा सकेंगे। एग फ्रीजिंग और आईवीएफ जैसी तकनीक से अब महिलाएं 50 साल की उम्र में भी मां बन सकती हैं। आने वाले समय में सिंगल पैरेंट बनना भी मुमकिन होगा और इसके लिए मेल-फीमेल का फिजिकली साथ होना जरूरी नहीं। इसका फायदा समलैंगिक भी उठा सकेंगे। किसी महिला को जन्मजात यूटेरस नहीं मिला है तो वह भी यूटेरस ट्रांसप्लांट के जरिए मातृत्व सुख पा सकती है।

तीन पैरेंट्स से बच्चा हो सकता है स्वस्थ

इंदौर की डॉ. आशा बख्शी के मुताबिक माइट्रोकॉन्ड्रियल डिसीज में बच्चे के लिए जेनेटिक मटेरियल तो मां-बाप का ही लिया जाएगा लेकिन न्युट्रीयस मटेरिअल यानी डीएनए किसी और का लिया जाता है। इससे बेबी में मसल्स और हार्ट डिसीज़ेस नहीं होंगी। फिलहाल यह तकनीक भारत में उपलब्ध नहीं है, लेकिन थ्री पैरेंट टेक्निक विदेशों में अपनाई जा रही है। आने वाले कुछ सालों में हम भी इस ट्रीटमेंट में फ्रंटफुट पर होंगे।

बच्चे में मनपसंद फीचर्स की तकनीक अभी मेच्योर नहीं

लीलावती हॉस्पिटल (मुंबई) की गायनेकोलॉजिस्ट नंदिता पलशेतकर ने कहा कि आजकल पैरेंट्स डिज़ाइनर बेबी चाहते हैं। इस पर रिसर्च जारी है। मगर यह फ्यूचर की बात है। पैरेंट्स की मांग होती है कि उनका बच्चा नीली आंखों वाला, सुनहरे बालों और कोमल त्वचा लिए हो। ऐसे में विदेशी स्पर्म लिया जाएगा। मगर जरूरी नहीं है कि बेबी डिजाइन करने के बाद ऐसा ही हो। परिणाम में अंतर इसलिए आ सकता है क्योंकि महिला का एग तो भारतीय ही है।

गलत फायदा उठाया जा सकता है डिज़ाइनर बेबी टेक्निक का

बॉस्टन मेडिकल सेंटर के रॉबर्ट डी ओट्स ने कहा अमेरिका में डिज़ाइनर बेबी का कॉन्सेप्ट कहीं-कहीं है। मेरे पास भी ऐसे कई पेशेंट्स आते हैं। साइंस इसे मुमकिन तो कर देगा लेकिन इस तकनीक का इस्तेमाल आतंकी नकारात्मक रूप में कर सकते हैं।